सर पे हिमालय का छत्र है लिरिक्स

जय भारती ! वन्दे भारती !

सर पे हिमालय का छत्र है,
चरणों में नदियाँ एकत्र हैं ।
हाथों में वेदों के पत्र हैं,
देश नहीं ऐसा अन्यत्र है ।।

जय भारती ! वन्दे भारती !
जय भारती ! वन्दे भारती !

धुंए से पावन ये व्योम है,
घर घर में होता जहाँ होम है ।
पुलकित हमारे रोम रोम है,
आदि-अनादि शब्द ॐ है ।।

जय भारती! वन्दे भारती!
वन्दे मातरम ! वन्दे मातरम !

जिस भूमि पे जन्म लिया राम ने,
गीता सुनायी जहाँ श्याम ने ।
पावन बनाया चारो धाम ने,
स्वर्ग भी ना आये जिसके सामने ।।

जय भारती!वन्दे भारती!
वन्दे मातरम ! वन्दे मातरम !

https://allbhajanlyrics.com/sar-pe-himalaya-ka-chhatra-hai-lyrics/